चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम दैनिक जागरण

दिनांक 15.3.2021 पृष्ठ संख्या 4 कॉलम 2-5

कंपोस्टिंग प्लांट से होगा कूड़े का निस्तारण खाद को बेचकर आमदनी करेगा निगम

एचएयू की लैबोरेट्री में जांच से हुआ साबित बाजार की खाद से अच्छी है गुणवत्ता

जागरण संवाददाता, हिसार: शहरी क्षेत्र से एकत्र होने वाले कूड़े का निस्तारण बड़ी समस्या बनता जा रहा है और कूड़ा डंपिंग प्वाइंट पर कूड़े का ढेर बढ़ता जा रहा है। अब इस समस्या के समाधान के लिए नगर निगम अधिकारियों ने मंथन करना शुरू कर दिया है। नगर निगम ने फैसला किया है कि जिला में 7 नए कंपोस्टिंग प्लांट स्थापित किए जाएं। इससे दो मुख्य लाभ होंगे। कूड़े का ढेर नहीं बढ़ेगा व निस्तारण के साथ-साथ अच्छी क्वालिटी की खाद भी तैयार होगी। खाद को बाजार में बेचकर निगम कमाई भी करेगा। कंपोस्टिंग प्लांट स्थापित करने वाला हिसार प्रदेश भर में संभवतया पहला जिला होगा।

पूरे शहर से डोर-टू-डोर कूड़ा उठाने का काम निगम के पास है। कूड़ा एकत्र करने के बाद उसे डंप करके कूड़ा प्लांट में भेजा जाता है। लेकिन कूड़े का निस्तारण नहीं हो पा रहा। ऐसे में निगम प्रशासन ने मंथन किया कि इस कूड़े का निस्तारण कैसे किया जाए। अधिकारियों ने चर्चा व मंथन के बाद नया प्लान बनाया। फैसला लिया गया है कि कूड़े के निस्तारण के लिए कंपोस्टिंग प्लांट स्थापित किए जाएं। शुरुआती दौर में 7 कंपोस्टिंग प्लांट बना दिए गए हैं। गड्ढे खोद यहां कूड़े को डाला जाएगा। निर्धारित समय अवधि के बाद खाद तैयार होगी। इससे लाभ ये होगा कि कूड़ा एकत्र नहीं होगा व उसका निस्तारण भी होगा। इतना ही नहीं गीले व सूखे कूड़े को भी अलग किया जा सकेगा। कर्मचारी घर से ही गीले-सूखे कचरे को अलग करेंगे व कंपोस्टिंग प्लांट पहुंचा देंगे।

गो अभयारण्य में गोबर से खाद तैयार करने के लिए खोदा गया गड्ढा। • जागरण

जांच के लिए हरियाणा एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी की लैब में भेजी गई थी खाद

ट्रायल के तौर पर नगर निगम ने कंपोस्टिंग प्लांट से कचरे से खाद तैयार की। इस खाद को हरियाणा एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी की लैब में जांच के लिए भेजा गया। जांच की रिपोर्ट चौंकाने वाली मिली। जांच रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि निगम ने कंपोस्टिंग प्लांट से जो खाद तैयार की है उसकी क्वालिटी बाजार में मिलने वाली खाद से भी बेहतर है। इसलिए निगम प्रशासन ने फैसला किया है कि कंपोस्टिंग प्लांट से तैयार हुई अच्छी क्वालिटी की खाद को बाजार में बेचेंगे। इसका रेट भी निर्धारित कर दिया गया है। 10 रुपये किलो के हिसाब से खाद को बेचा जाएगा। इससे निगम को अतिरिक्त कमाई भी होगी।

लोगों से अपील: अलग-अलग करें कूड़े का एकत्रीकरण

निगम अधिकारियों ने आमजन से अपील की है कि घर में ही दो डस्टबिन की व्यवस्था करें। गीला व सूखा कचरा अलग-अलग डस्टबिन में रखें। निगम की गाड़ी भी गीले व सूखे कचरे को अलग-अलग ही उठाएगी। सूखे कचरे का अलग तरह से प्रयोग होगा जबकि

गीले कूड़े को कंपोस्टिंग प्लांट पर पहुंचा कर खाद बनाने के काम में लिया जाएगा।

खाद को पशुओं के चारे की खेती में किया जाएगा इस्तेमाल

गो अभयारण्य में भी गोबर से खाद तैयार की जाएगी। इसके लिए गो अभयारण्य कैंपस में ही गड्ढे खोद दिए गए हैं। एकत्र होने वाले गोबर को गड्ढों में रखा जाएगा और तैयार होने वाली खाद को पशुओं के लिए चारे की खेती में प्रयोग किया जाएगा। इससे भूमि की उपजाऊ शक्ति भी बढ़ेगी और गोबर का भी निस्तारण हो पाएगा।

कचरा निस्तारण के लिए नया प्लान बनाया है। हमने जिला में 7 नए कंपोस्टिंग प्लांट बनाने का फैसला किया है। कंपोस्टिंग प्लांट बनाने वाला हिसार संभवतया प्रदेश का पहला जिला है। यहां से तैयार होने वाली खाद को 10 रुपये किलो के हिसाब से बेचा जाएगा, जिससे निगम की आमदनी भी होगी। साथ ही गीला व सूखा कचरा भी अलग करने की आदत बनेगी। आमजन भी गीला-सूखा कचरा अलग करके दें।

अशोक गर्ग, नगर आयुक्त, नगर निगम।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....अमर उजाला.....

दिनांक 15.3.2021...पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....1-2.....

कृषि विशेषज्ञ की सलाह

डॉ. एसके सहरावत

गन्ने की नई फसल के लिए इस माह पूरी कर लें बिजाई

गन्ने की पछेती किस्मों की कटाई इसी महीने समाप्त करें व नई फसल की बिजाई इस माह पूरी कर लें। उन्नत किस्में सीओजे 64, सीओएच 56, सीओएच 92, सीओ 7717, सीओएस 8436, सीओएच 99 व सीओएच 119, सीओएच 128, सीओ 1148, सीओएस 767 व सीओएच 110 ही बोएं।

खेत की तैयारी के लिए पहली जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से और इसके बाद 6-8 जुताई देसी हल से करके सुहागा लगाएं। जमीन के नीचे सख्त सतह को तोड़ने के लिए बिजाई से पहले डेढ़ गुणा डेढ़ मीटर की दूरी पर चिजलर को डेढ़ फुट गहराई पर चार साल में एक बार जरूर चलाएं। इससे भूमि की भौतिक स्थिति में बहुत सुधार आता है। चिजलर चलाने के बाद खेत की तैयारी के लिए दो बार हैरो, दो बार कल्टीवेटर चलाकर सुहागा लगाएं। एक एकड़ में गन्ने की बिजाई के लिए 35-40 क्विंटल गन्ने, यानी लगभग 35 हजार दो आंखों वाले टुकड़ों या 23 हजार तीन आंख वाले टुकड़ों की जरूरत होती है। अच्छे जमाव व कंडुआ के बीजगत संक्रमण के निवारण के लिए 0.25 प्रतिशत एमिसान या मेंकोजेब से बीज को 4-5 मिनट डुबोकर उपचार करके ही बोएं। बिजाई दो खूडों में फासला 60 से 75 सेंटीमीटर व गहराई साढ़े सात सेंटीमीटर रखकर करें। पोरी के एक चौथाई भाग को दूसरी पोरी पर चढ़ाकर बोएं व बिजाई करने के बाद सारे खेत में सुहागा लगाएं। गन्ने के जमाव को बढ़ाने के लिए आधा सूखा खुड्ड सिंचाई विधि या गड्ढा विधि द्वारा भी गन्ने की बिजाई की जा सकती है। दोपहर के समय बिजाई न करें। अच्छे जमाव के लिए बीज गन्ने के दो तिहाई ऊपरी भाग से ही लेना चाहिए। खरपतवारों की रोकथाम के लिए अट्राजीन 50 घुलनशील पाउडर 1.6 किलोग्राम प्रति एकड़ की दर से बिजाई के दो-तीन दिन बाद 250-300 लीटर पानी में घोलकर छिड़कें।

डॉ. एसके सहरावत अनुसंधान निदेशक एचएयू, हिसार।

एकीकृत खरपतवार नियंत्रण के लिए बिजाई के 35-40 दिन बाद एक गुड़ाई करके दूसरी सिंचाई के बाद नमी में 1.6 किलोग्राम प्रति एकड़ अट्राजीन का छिड़काव करें। फसलीकरण में इस शाकनाशक का प्रयोग न करें। चौड़ी पत्ती वाले खरपतवारों का नियंत्रण करने के लिए एक किलोग्राम 2,4 डी 250 लीटर पानी में बिजाई के सात-आठ सप्ताह बाद प्रति एकड़ की दर से छिड़काव करें। यदि फसल में मोथा घास की समस्या हो तो घास उगने पर 2,4 डी का 400 मिलीलीटर प्रति एकड़ की दर से छिड़काव करें। 2,4 डी मोथा, घास को ऊपर से ही नष्ट करती है। इसलिए घास के दोबारा उगने पर छिड़काव को दोहराएं। कम लागत से अधिक पैदावार प्राप्त करने और पूरा लाभ लेने के लिए गन्ना बोने से पहले मिट्टी का परीक्षण कराएं। सामान्यत 15-20 गाड़ी गोबर की अच्छी प्रकार गली-सड़ी खाद बिजाई से 20-25 दिन पहले डालें। खाद को पूरे खेत में समान रूप से बिखेरकर मिट्टी को ऊपरी तह में मिला दें। यदि खाद कच्ची हो तो 20-25 किलोग्राम यूरिया प्रति एकड़ भी बिखेर दें और हल्की सिंचाई कर दें। *(अमित भारद्वाज, हिसार)*

(व्हाट्सएप नंबर) 7617566173

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....अमर उजाला.....

दिनांक 15.3.2021...पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....2-6.....

राज्य बजट

गुजवि को 95.25 करोड़, जबकि लुवास के लिए 270 करोड़ की बजट राशि आवंटित, विकास कार्यों को मिलेगी गति

प्रदेश में सबसे ज्यादा 650 करोड़ रुपये का बजट एचएयू को मिला

संदीप बिश्नोई।

हिसार। प्रदेश सरकार ने इस बार विश्वविद्यालयों के बजट में कोई खास इजाफा तो किया नहीं, इसके उलट कई विश्वविद्यालयों का बजट जरूर कम कर दिया। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) को 650 करोड़ आवंटित हुआ। बजट में इस बार पीएफ और पेंशन के चलते करीब 15 करोड़ रुपये अधिक मिले हैं।

खास खबर

जींद की चौधरी रणबीर सिंह यूनिवर्सिटी का बजट 2019-20 की अपेक्षा 5 करोड़ घटाकर 20 करोड़ किया गया। भिवानी की चौधरी बंसीलाल यूनिवर्सिटी का बजट 51 करोड़ से घटाकर 35 करोड़ रुपये किया गया है। प्रदेश में सबसे ज्यादा बजट हिसार के सबसे अधिक बजट पाने के मामले में दूसरे नंबर पर भी हिसार का ही लाला लाजपत राय पशु विज्ञान एवं पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय (लुवास) है। लुवास को 270 करोड़ रूपये मिले, जबकि पिछले साल 2019-20 के बजट में 146.55 करोड़ और 2020-21 में 281 करोड़ बजट आवंटित हुआ था। हालांकि कोरोना संकट के बीच संशोधित बजट 205.49 करोड़ का था। हिसार शहर के तीसरे गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय (गुजवि) की बात करें तो इस विवि के बजट में भी मामूली इजाफा किया गया है और यह 95 लाख से बढ़कर 95.25 लाख हो गया है।

प्रदेश के प्रमुख विश्वविद्यालयों को मिला बजट

- लाला लाजपत राय पशु विज्ञान एवं पशु चिकित्सा विवि हिसार : 270 करोड़ रुपये।
- हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय : 650 करोड़ रुपये।
- अग्रोहा मेडिकल कॉलेज : 95 करोड़ रुपये।
- कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय : 180 करोड़ रुपये।
- महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय : 50 करोड़।
- गुजवि : 95.25 करोड़ रुपये।
- दीनबंधु सर छोटू राम विश्वविद्यालय मुरथल : 97 करोड़ रुपये।
- वाईएमसीए फरीदाबाद : 42.0 करोड़ रुपये।
- सुपवा : 30 करोड़ रुपये।
- सीडीएलयू सिरसा : 35 करोड़ रुपये।
- भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर : 45 करोड़ रुपये।
- आईजी विश्वविद्यालय मीरपूर, रेवाड़ी : 15 करोड़ रुपये।
- डॉ. बीआर आंबेडकर नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी : 35 करोड़ रुपये।
- सीबीएलयू भिवानी : 35 रुपये।
- सीआरएसयू जींद : 20 करोड़ रुपये।
- महर्षि वाल्मीकि संस्कृत विवि कैथल : 30 करोड़ रुपये।
- श्री कृष्ण आयुष विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र : 20 करोड़ रुपये।
- बागवानी विश्वविद्यालय, करनाल : 85 करोड़ रुपये।

“ विश्वविद्यालय को 95.25 करोड़ बजट मिला है। इसमें 25 करोड़ रुपये अटल अकेडमी के लिए हैं। विवि की बजट की बैठक होगी, तब हम उसमें नए प्रस्ताव जमा करेंगे। कुछ नई लैब, इलेक्ट्रिकल लैब आदि बनाई जानी हैं तो कुछ और बजट आने की उम्मीद है। जो बजट मिला है वह अच्छी रकम है।

- प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलपति, गुजवि।

“ विश्वविद्यालयों को मांग के अनुसार ही बजट मिलता है। सरकार का काम प्रोजेक्ट के आधार पर पैसा देना है। जिन विश्वविद्यालयों की अच्छी प्लानिंग और प्रोजेक्ट नहीं थे, उनका बजट कम हुआ होगा। जरूरी है कि सभी विवि अगले 5 साल का विजन सरकार के सामने रखें और फिर बजट की डिमांड करें।

- प्रो. एनके बिश्नोई, अर्थशास्त्री, गुजवि।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ..... दैनिक जागरण .....

दिनांक 16.3.2021 पृष्ठ संख्या 3 कॉलम 4-6

उर्वरा शक्ति बचाने को फसल चक्र अपनाएं

खेत खलिहान

जागरण संवाददाता, हिसार : किसानों को भूमि की उर्वरा शक्ति को बचाने के लिए प्रयास करने शुरू कर देने चाहिए। लगातार भूमि की उर्वरा शक्ति कम होती जा रही है। जमीन की स्थिति सुधारने के लिए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र में किसानों को इस बाबत समझाने का काम कर रहे हैं।

इसी के तहत सोमवार को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर द्वारा गांव साहू में बार्योफर्टिलाइजर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन नेशनल फर्टिलाइजर लिमिटेड के तत्वाधान में किया गया।

धान, कपास व गेहूं के चक्र तोड़ें

केंद्र के संयोजक डा. नरेंद्र कुमार ने कहा कि खेती में आज बदलाव की जरूरत है, इसलिए किसानों को फसल विविधीकरण और फसल चक्र को अपनाना होगा। जमीन की उर्वरा शक्ति को बनाए रखने के लिए धान व गेहूं और कपास व गेहूं के चक्र को भी तोड़ना होगा। फसल उत्पादन के साथ बागवानी, सब्जी उत्पादन, जैविक खेती व पशुपालन को सम्मिलित करना होगा।

विज्ञानियों द्वारा सिफारिश की गई मात्रा का करें प्रयोग : नेशनल फर्टिलाइजर लिमिटेड के क्षेत्रीय प्रबंधक डा. गगनदीप ने किसानों को एनएफएल के विभिन्न उत्पादों जैसे सल्फर, बायो फर्टिलाइजर, जिंक, यूरिया आदि की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने किसानों से इन उत्पादों के प्रयोग एवं शुद्धता की जांच के बारे में बताया। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे अपनी फसलों में विज्ञानियों द्वारा सिफारिश की गई उर्वरकों की मात्रा ही डालें। इससे किसान आर्थिक नुकसान से भी बचेंगे और फसलों पर विपरीत असर भी नहीं पड़ेगा।

एचएयू के कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर द्वारा बार्योफर्टिलाइजर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

कार्यक्रम में करीब सौ से अधिक किसानों ने हिस्सा लिया। किसान सुविधा केंद्र हिसार के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में जिला प्रभारी आशुतोष तिवारी ने भी सहभागिता की। केंद्र के संयोजक डा. नरेंद्र कुमार ने कार्यक्रम में भाग लेने पर सभी का आभार व्यक्त किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........अमर उजाला........

दिनांक 16.3.2021...पृष्ठ संख्या.....3.....कॉलम....3-4....

खेती में बदलाव की जरूरत, फसल चक्र अपनाएं किसान : डॉ. नरेंद्र

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर ने सोमवार को साहू गांव में बायो फर्टिलाइजर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का आयोजन नेशनल फर्टिलाइजर लिमिटेड के तत्वावधान में किया गया। किसानों को संबोधित करते हुए केंद्र के संयोजक डॉ. नरेंद्र कुमार ने कहा कि खेती में आज बदलाव की जरूरत है, इसलिए किसानों को फसल विविधीकरण और फसल चक्र को अपनाना होगा।

जानकारी देते वैज्ञानिक व मौजूद किसान।

उन्होंने कहा कि जमीन की उर्वरा शक्ति को बनाए रखने के लिए धान व गेहूं और कपास व गेहूं के चक्र को भी तोड़ना होगा। फसल उत्पादन के साथ बागवानी, सब्जी उत्पादन, जैविक खेती व पशुपालन को शामिल करना होगा। इससे किसानों की आमदनी में भी इजाफा होगा।

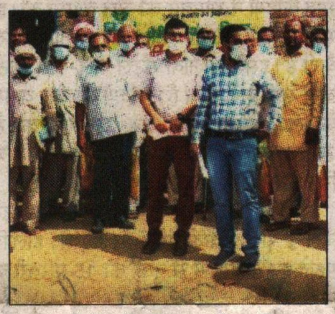

नेशनल फर्टिलाइजर लिमिटेड के क्षेत्रीय प्रबंधक डॉ. गगनदीप ने किसानों को एनएफएल के विभिन्न उत्पादों जैसे सल्फर, बायो फर्टिलाइजर, जिंक, यूरिया आदि की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने किसानों से इन उत्पादों के प्रयोग एवं शुद्धता की जांच के बारे में बताया। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे अपनी फसलों में वैज्ञानिकों द्वारा सिफारिश की गई उर्वरकों की मात्रा ही डालें। इससे किसान आर्थिक नुकसान से भी बचेंगे और फसलों पर विपरीत असर भी नहीं पड़ेगा। कार्यक्रम में 100 अधिक किसानों ने हिस्सा लिया। किसान सुविधा केंद्र हिसार के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में जिला प्रभारी आशुतोष तिवारी ने भी सहभागिता की। ब्यूरो

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक सवेरा.....

दिनांक 16.3.2021.....पृष्ठ संख्या.....3.....कॉलम...1-2.....

एचएयू के कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर ने करवाया बार्योफर्टिलाइजर जागरूकता कार्यक्रम

किसानों को कार्यक्रम के दौरान जानकारी देते वैज्ञानिक व मौजूद किसान।

हिसार, (सुरेंद्र सोढी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर द्वारा गांव साहू में बार्योफर्टिलाइजर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन नेशनल फर्टिलाइजर लिमिटेड के तत्वाधान में किया गया। इस मौके पर किसानों को संबोधित करते हुए केंद्र के संयोजक डॉ. नरेंद्र कुमार ने कहा कि खेती में आज बदलाव की जरूरत है, इसलिए किसानों को फसल विविधीकरण और फसल चक्र को अपनाना होगा। जमीन की उर्वरा शक्ति को बनाए रखने के लिए धान व गेहूं और कपास व गेहूं के चक्र को भी तोडना होगा। फसल उत्पादन के साथ बागवानी, सब्जी उत्पादन, जैविक खेती व पशुपालन को सम्मिलित करना होगा। इससे किसानों की आमदनी में भी इजाफा होगा। नेशनल फर्टिलाइजर लिमिटेड के क्षेत्रीय प्रबंधक डॉ. गगनदीप ने किसानों को एनएफएल के विभिन्न उत्पादों जैसे सल्फर, बायो फर्टिलाइजर, जिंक, यूरिया आदि की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने किसानों से इन उत्पादों के प्रयोग एवं शुद्धता की जांच के बारे में बताया। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे अपनी फसलों में वैज्ञानिकों द्वारा सिफारिश की गई उर्वरकों की मात्रा ही डालें। इससे किसान आर्थिक नुकसान से भी बचेंगे और फसलों पर विपरीत असर भी नहीं पड़ेगा। कार्यक्रम में करीब सौ से अधिक किसानों ने हिस्सा लिया। किसान सुविधा केंद्र हिसार के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में जिला प्रभारी आशुतोष तिवारी ने भी सहभागिता की। केंद्र के संयोजक डॉ. नरेंद्र कुमार ने कार्यक्रम में भाग लेने पर सभी का आभार व्यक्त किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ...दैनिक भास्कर...

दिनांक 16.3.2021 पृष्ठ संख्या 4 कॉलम 1-5

पहल की और कामयाबी मिली • डाइट फूड्स, जूस पाउडर और हेल्दी पाउडर तैयार किए, इम्युनिटी बढ़ाने में भी सहायक

नौकरी छोड़ एचएयू के एबिक सेंटर से ट्रेनिंग ले शुरू किया बिजनेस, अब 50 लोगों की टीम विदेश में भी भेज रही उत्पाद

महबूब अली | हिसार

पूनम कपूर

शहर के पीएलए में रहने वाली पूनम कपूर ने मुबई के एक बैंक से रिसर्च एंड डवलपमेंट हेड के पद से नौकरी छोड़कर खुद का स्टार्टअप तैयार करने की ठानी। कई साल की मेहनत के बाद पूनम ने डाइट फूड्स, जूस पाउडर और हेल्दी पाउडर तैयार किए।

जूस पाउडर जहां 9 माह तक खराब नहीं होता है। वहीं डायबिटीज से लेकर ब्लड प्रेशर, हार्ट की समस्या से भी निजात दिलाने मे सहायक है। इम्यनिटी बढाने में भी सहायक है। पूनम द्वारा तैयार प्रोडक्ट की अब मुबई से लेकर विदेशों तक में धूम है। एचएयू के एबिक सेंटर से पूनम ने प्रोडक्ट तैयार करने की ट्रेनिंग ली थी। एचएयू के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने भी पनम के प्रोडक्ट की सराहना की है।

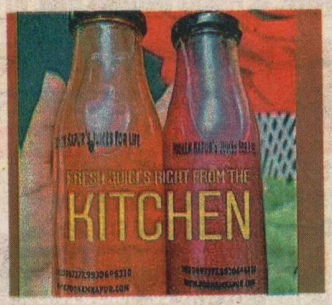

पूनम मूल रुप से हिसार के पीएलए की रहने वाली है। पूनम ने बताया कि उसने जीजेयू से ही एमएससी की पढ़ाई की थी। इसके बाद ब्रिटानिया समेत विभिन्न स्थानों मे कार्यरत रहीं। वर्ष 2010 में मुंबई के बड़े कोरपोरेट में रिसर्च एंड डवलपमेंट हेड के पद पर तैनात थीं मगर कुछ अलग करने की चाह में वर्ष 2010 में पूनम ने नौकरी छोड़ दी तथा पनम कपर हेल्दी किचन की शुरूआत एक व्यक्ति से की। अब 50 से अधिक लोग पूनम के साथ जुड़े हैं। पूनम ने बताया कि उसने आर्गेनिक तरीके से व्हीट ग्रास, तिल, नींबू, सतावरी आदि के माध्यम से डाइट फूड्स, जूस पाउडर तैयार किया। जो ब्लड प्रेशर रोकने में भी सहायक है। साथ ही डायबिटीज की समस्या का भी समाधान करता है। खासियत यह है कि फूडस का कोई साइड इंफेक्ट भी नहीं है।

पूनम का कहना है कि जापान, न्यूजीलैंड से भी प्रोडक्ट की डिमांड आती है। बताया कि जल्द ही हरियाणा में व्यापक स्तर पर हेल्दी किचन को शुरू कराया जाएगा। ताकि लोगों को स्वस्थ्य रहने के बारे में भी टिप्स दिए जा सके।

पूनम कपूर द्वारा तैयार जूस पाउडर।

एप करा रहे तैयार, डॉक्टर्स भी कर रहे मांग

पूनम ने बताया कि हेल्दी फूड्स, जूस पाउडर को विभिन्न स्थानों तक पहुंचाने के लिए जल्द ही एप तैयार करा रहे है। ताकि लोग एक क्लिक पर पाउडर के बारे में जानकारी हासिल कर सकें साथ ही खरीद कर प्रयोग में भी ला सकें। हरियाणा के डाक्टर भी जूस पाउडर की मांग कर रहे है।

अन्य लोग भी पूनम की तरह प्रयास करें

पूनम द्वारा तैयार हेल्दी प्रोडक्ट, जूस पाउडर विभिन्न रोगों पर अंकुश लगाने में भी सहायक है। एचएयू के एबिक सेंटर से ही पूनम ने ट्रेनिंग ली थी। अन्य को भी पूनम से प्रेरणा लेनी चाहिए।'' – **प्रोफेसर समर सिंह**, कुलपति, एचएयू।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक जागरण.....

दिनांक 16.3.2021....पृष्ठ संख्या.....4.....कॉलम.....1.2.....

18 को बारिश होने की संभावना

जागरण संवाददाता, हिसार : हरियाणा के मौसम का मिजाज अभी गर्म चल रहा है। 28 से लेकर 32 डिग्री सेल्सियस तक तापमान लोगों को दिन में गर्मी का एहसास करा रहा है। सोमवार को गुरुग्राम और नारनौल में सर्वाधिक तापमान दर्ज किया गया।

गुरुग्राम में 32.5 डिग्री सेल्सियस तो नारनौल में 32.4 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया है। आने वाले दिनों में दिन के तापमान में हल्की कमी भी देखने को मिल सकती है। क्योंकि 18 व 19 मार्च को मौसम परिवर्तन का अनुमान लगाया जा रहा है। इस दौरान बादलवाई और हल्की बारिश भी हो सकती है। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि मौसम विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डा. मदन खिचड़ ने बताया कि राज्य में 17 मार्च तक मौसम आमतौर पर खुश्क रहने, दिन के तापमान बढ़ने की संभावना है। मगर उत्तर पश्चिमी हवा चलने से रात्रि तापमान में हल्की गिरावट रहने की संभावना है।

दिन में गर्मी का अहसास हो रहा है। पार्क व अन्य जगहों पर खिले हुए फूल लोगों को अपनी तरफ आकृषित कर रहे हैं। तोशाम रोड स्थित एचएसवीपी के जलघर में खिले फूलों का मनमोहक दृश्य। • जागरण

प्रदेश के विभिन्न शहरों में यह रहा तापमान

जिला	अधिकतम	न्यूनतम	जिला	अधिकतम	न्यूनतम
अंबाला	30.4	15.8	करनाल	29.2	11.0
भिवानी	32.3	16.3	हिसार	31.0	15.0
चंडीगढ़	30.2	15.7	नारनौल	32.4	14.2
पंचकूला	30.6	16.4	रोहतक	28.5	15.8
गुरुग्राम	32.5	21.3	सिरसा	28.6	16.9

नोट- तापमान डिग्री सेल्सियस में है।